संपादक के नोट

मेरे प्रिय पाठकों को इस सुंदर समय का अभिवादन। वर्ष २०११ समाप्त होनेवाला है और जैसे ही हम नूतन वर्ष में प्रवेश करते हैं; हम स्मरण करें अपने विचारों को और सोचें पिछला वर्ष कैसा रह चुका है। हम उन सारी अच्छी वस्तुओं के बारे में सोचें जिससे हमारे अच्छे प्रभु ने हमे आशिषित किया है और उम्मीद करें कि हम इस से बहतर वस्तुओं से आशिषित होएंगे जैसे ही हम उसकी छाया में रहें और उन वस्तुओं को करें जिसकी उम्मीद वह हमसे करता हैं।

जिस महिमा को मनुष्य ने पाप के कारण गवाया, उसे बादलों में मनुष्य ने फिर देखा। दूसरी बार उन्होंने परमेश्वर कि महिमा को मूसा के तम्बू में देखा। तिसरी बार उन्होंने उसकी महिमा को सुलैमान के मंदिर में देखा। चौथी बार उसकी महिमा उसके एक–लौते पुत्र येशु मसीह पर आया। येशु इस संसार में अपने पिता की महिमा में आया यह महिमा उसमे थी। इस संसार में वह मनुष्य के रूप में सबसे गरीब परिवार में आया। लोग उसकी भीतरी महिमा को नहीं देख सकते थे। उसका जन्म एक चरनी में हुआ और वह सुतार का बेटा कहलाया जाता था।

प्रेरित यूहन्ना जो येशु के सबसे करीब था, उसका प्रिय शिष्य कहलाया जाता था। उसने भी येशु को मनुष्य के पुत्र के रूप में देखा लेकिन उसे परमेश्वर का महिमा–भरा पुत्र के रूप में नहीं देखा।

जब यूहन्ना पतमुस द्वीप पर अकेला था, येशु ने यूहन्ना को अपनी महिमा दिखाई प्रकाशितवाक्य **१:१४–१६** उसका सिर तथा उसके बाल ऊन सदृश श्वेत और हिम के समान उज्जवल थे, और उसकी आँखें आग की ज्वाला के सदृश थीं। उसके पैर ऐसे चमकदार पीतल के समान थे जो भट्टी में तपाकर चमकाया गया हो। उसकी वाणी महाजलनद जैसी थी। वह दाहिने हाथ में सात तारे लिए था, और उसके मुख से दो धारी तेज़ तलवार निकलती थी। उसका मुख–मण्डल मध्याहन के सूर्य के सदृश दमक रहा था।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, केवल यही येशु मसीह तुम्हे महिमा पे महिमा दे सकता है। येशु ने जब अपने पिता से प्रार्थना की, जैसे दिखाया गया है – यूहन्ना **१७:२२** – और वह महिमा जो तु ने मुझे दी है मैनें उन्हें दी है, कि वे वैसे ही एक हों जैसे हम एक हैं।

जब मनुष्य के पुत्र का शरीर कलवरी के क्रूस पर फाड़ा गया, उसकी भीतरी महिमा हमारी ओर आई। येशु हमसे क्या चाहता है? रोमियों **९:२३** कहता है – और उसने यह इसलिए किया कि वह अपनी महिमा का धन दया के उन पात्रों पर प्रकट करे, जिन्हे उसने पहले से ही अपनी महिमा के लिए तैयार किया था।

ताकि हम उसकी ऐश्वर्य की महिमा को देखें, उसने हमारे मिट्टी के शरीर को अनुग्रह का पात्र बनाया।

इस्राएलियों ने परमेश्वर को कुम्हार के रूप में देखा। उन्होंने इस अनुसार प्रार्थना की यशायाह **६४:८** कहता है – "परन्तु हे यहोवा, तू तो हमारा पिता है। हम मिट्टी हैं और तू हमारा कुम्हार है – हम सब के सब तेरे हाथ के कार्य हैं"। प्रेरित पौलुस इसके बारे में लिखा है रोमियों **९:२१–२३** – क्या कुम्हार को मिट्टी पर यह अधिकार नहीं कि उसी मिट्टी के लोंदे से एक बर्तन को आदरणीय उपयोग के लिए और दूसरे को साधारण उपयोग के लिए बनाए? यदि परमेश्वर ने अपना क्रोध दिखाने और अपना सार्मथ्य प्रकट करने की इच्छा से विनाश के लिए तैयार किए गए क्रोध के बर्तनों की बड़े धीरज से सही, तो क्या हुआ? और उसने यह इसलिए किया कि वह अपनी महिमा का धन दया के उन पात्रों पर प्रकट करे, जिन्हे उसने पहले से ही अपनी महिमा के लिए तैयार किया था।

परमेश्वर का हाथ सिर्फ़ प्यार का हाथ ही नहीं बल्कि करुणा का हाथ, महिमा का हाथ भी है, क्योंकि उसके हाथ ने तुम्हे और मुझे बनाया है, हम उसकी अनुग्रह को देख सकते हैं। इफिसियों **२:८** – क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है–और यह तुम्हारी ओर से नहीं वरन् परमेश्वर का दान है।,

आज राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु इच्छा करता है कि आपके घरों में प्रवेश करें। वह एक बार आकर नहीं जाएगा लेकिन वह तुम्हारे साथ हमेशा रहेगा और तुम्हें दिलासा देगा यूहन्ना **१४:१६** कहता है, – और मैं पिता से विनती करुँगा, और वह तुम्हे एक और सहायक देगा कि वह सदा तुम्हारे साथ रहे,

इसलिए भजनकर्ता कहता है, भजन संहिता **२४:७** – हे फाटको, अपने सिर ऊंचे करो**!** हे सनातन द्वारो, ऊंचे हो जाओ कि प्रतापी राजा प्रवेश करे!

क्योंकि प्रभु परमेश्वर सूरज और ढाल है, प्रभु अनुग्रह और महिमा रहेगा, जो धार्मिकता में चलते हैं, उनसे वह कोई भी अच्छी वस्तु को नहीं रोकेगा।

उसके फ़ाटकों में धन्यवाद के साथ और उसके दरबारों में स्तुति के साथ प्रवेश करें, उसकी ओर आभारी होकर उसके नाम को आशिष दें। क्योंकि प्रभु अच्छा है, उसकी करुणा सदा की है और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक रहेगी।

सारे पाठकों को और रोस ऑफ़ शारोन के कलिसिया के सदस्यों को बहुत अच्छा क्रिस्मस और आशिषदायक नए वर्ष कि शुभकामनाएं। आनेवाला वर्ष आपके जीवनों को पवित्र आत्मा के फलों से बहुतायत रीति से भरें।

परमेश्वर आपको आशिष दे और सम्हाले तब तक कि हम अगले वर्ष मिलेंगे इन पृष्ठों में।

– पास्टर सरोजा म.